हमारा संकल्प

आओ अभ्यास करें

1. बताओ, क्या पढ़ा–

i. कवि का अरमान अमर होने का है।

ii. जो लोग अज्ञान रूपी अंधकार में पड़े होने के कारण निर्धन ओर गरीब हैं लेखक उन के लिए उद्यम का दीप जलाना चाहता है।

iii. हमें मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व मातृभूमि के चरणों में अर्पित कर देना चाहिए।

iv. जिन वीरों ने अपनी स्वतंत्रता प्रप्ति की धुन में मगन होकर देश को स्वतंत्र करवाया हम उन्हीं वीरों की संतान हैं।

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

जो लोग अँधेरे में हैं पड़े,
अपनी ही नहीं नजर में हैं।
उनके घर के हर कोने में,
उद्यम का दीप जलाएँगे।
जो लोग हारकर बैठे हैं,
उम्मीद मारकर बैठे हैं।

3. नीचे दी गई पंक्तियों का अर्थ लिखो–

i. कवि कहता है कि हमारा शौक और अरमान या इच्छा यही है कि हम अपनी मातृभूमि और देश के विकास के लिए कुछ अच्छे कार्य करके इस संसार को दिखाएँगे।

ii. कवि का तात्पर्य इन पंक्तियों से है कि जो लोग आान रूपी अंधकार के कारण निर्धन और गरीब है। रोजगार प्रप्त करने में असमर्थ है।

4. सही उत्तर (✓) लगाओ–

उत्तर– (क) i. अमर (ख) i. मरने वाली
(ग) ii. सर्वस्व (घ) iv. उद्यम का

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित पंक्तियों में जो समानार्थी नहीं है, उस पर घेरा (✓) लगाओ–

i.	अंधेरा	—	अंधकार	तिमिर	रात	तम
ii.	घर	—	गृह	निकेतन	आलय	उपवन
iii.	दुनिया	—	संसार	परलोक	जगत	विश्व
iv.	पृथ्वी	—	मिट्टी	भूमि	धरती	धरा
v.	आनंद	—	हर्ष	आमोद	खुशी	उत्साह

2. वे शब्दांश जो शब्द के बाद लगकर उनका अर्थ बदल देते हैं, 'प्रत्यय' कहलाते हैं। 'गुण' शब्द में 'वान' प्रत्यय लगाने से नया शब्द 'गुणवान' बनता है।
ऐसे ही 'वान' प्रत्यय लगाकर कुछ नए शब्द बनाओ–
प्रतिभावान धनवान भग्यवान विद्वान

2. निम्नलिखित मुहावरों का सही प्रयोग करके वाक्य पूरे करो–

i. मुझे **उल्लू बनाना** आसान काम नहीं।
ii. जरा–सी आहट हुई और शेर के **कान खड़े** हो गए।
iii. कवि बिहारी ने अपने दोहों में **गागर में सागर** भर डाला है।
iv. समय रहते पढ़ाई नहीं की तो अब **हाथ मलने** का क्या फायदा।
v. कल मैंने अपने दोस्त से साइकिल माँगी तो उसने **अँगूठा** दिखा दिया।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

2 घड़ी का इतिहास

आओ अभ्यास करें

पाठ से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

i. प्राचीन काल में लोग सूर्य की गति देखकर समय का अंदाजा लगाते थे।
ii. सोलहवीं शताब्दी में जलघड़ी का आविष्कार हुआ।
iii. समय में अंतर आने के कारण मध्यकाल में बनी घड़ियां बहुत ज्यादा सफल नहीं हो सकीं।
iv. परमाणु घड़ियों पर तापमान, गुरुत्वाकर्षण और वायुमंडल के दबाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

2. उत्तर लिखो–

i. प्राचीन काल में व्यापारी समय का पता सूर्य की गति से लगाते थे।
ii. आधुनिक घड़ी को पहनने वाले विश्व के पहले व्यक्ति ब्लेज पास्कल थे।
iii. क्वार्ट्ज एक प्रकार का क्रिस्टल है, जिसमें स्थायी रूप से यांत्रिक गुण उपस्थित रहते हैं खास तरह की क्वार्ट्ज घड़ी सेकंड के एक लाखवें हिस्से को भी नाप सकती है।
iv. घड़ियों के आविष्कार ने ही मानव को समय के साथ चलना सिखाया है और जिसने भी समय का आदर किया, वह सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँच गया।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) iv. मेसोपोटामिया के बेबीलोन में (ख) iii. ब्लेज पास्कल
(ग) ii. जोधपुर

4. रेखा खींचकर सही मिलान करो-

उत्तर-

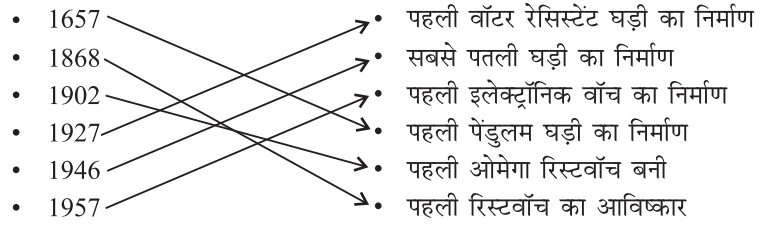

भाषा-बोध

1. दिए गए विशेषण की अवस्थाएँ लिखो-

उच्च	**उच्चतर**	**उच्चतम**
प्रिय	**प्रियतर**	**प्रियतम**
सुंदर	**सुंदरतर**	**सुदरतम्**
गुरु	**गुरुतर**	**गुरुतम्**
लघु	**लघुतर**	**लघुतम**
अधिक	**अधिकतर**	**अधिकतम्**

2. प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाओ-

समुद्र	+	ई	=	**समुद्री**	दर्शन	+	इक	=	**दार्शनिक**
रस्स	+	ई	=	**रस्सी**	यंत्र	+	इक	=	**यांत्रिक**
व्यापार	+	ई	=	**व्यापारी**	इलेक्ट्रॉन	+	इक	=	**इलेक्ट्रॉनिक**
दोस्त	+	ई	=	**दोस्ती**	विज्ञान	+	इक	=	**वैज्ञानिक**
पहाड़	+	ई	=	**पहाड़ी**	प्रयोग	+	इक	=	**प्रायोगिक**

3. उचित उपसर्ग चुनकर नए शब्द बनाओ-

उपसर्ग	+	**शब्द**	=	**नए शब्द**	**उपसर्ग**	+	**शब्द**	=	**नए शब्द**
उप	+	स्थित	=	उपस्थित	**प्र**	+	गति	=	**प्रगति**
अ	+	समर्थ	=	असमर्थ	**प्र**	+	सिद्ध	=	**प्रसिद्ध**
वि	+	शेष	=	विशेष	**वि**	+	देश	=	**विदेश**

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

प्राचीन	+	**नवीन**		धरती	=	**आकाश**
सूर्योदय	+	**सूर्यास्त**		आदर	=	**निरादर**
उपस्थित	+	**अनुपस्थित**		उच्चतम	=	**निम्नतम्**

5. नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ-

i. मत
- वोट — सभी को **मत** ड़ालने का अधिकार है।
- विचार — पंचायत का **मत** विद्यालय के लिए अच्छा था।

ii. जल
- पानी — नदी का **जल** शीतल था।
- जल जाना — आग के पास मत जाओ अन्यथा **जल जाओगे**।

iii सोना — निद्रा — अधिक **सोना** स्वास्थ्य है लिए अच्छा नहीं होता।
धातु — **सोना** अधिक महँगा है।

iv पात्र — कलाकार — राम रामयण का **पात्र** है।
बर्तन — दूध का **पात्र** स्वच्छ होना चाहिए।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

3 साहसी की सदा विजय

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. बकरी और मेमना जंगल में चरने गए थे।

ii. बकरी और मेमने को देखकर भेड़िया बोला—''अरे वाह! आज तो ठंडे जल के साथ गरमा–गरम भोजन भी है। अच्छा हुआ जो तुम दोनों यहाँ मिल गए। बड़ी जोर की भूख लगी है। अब मैं तुम्हें खाकर पहले अपनी भूख मिटाऊँगा। पानी बाद में पिऊँगा।''

iii. यदि हम पर कोई संकट आ जाए तो हम साहस और धैर्य से काम लेंगे।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. बकरी और मेमना पानी पीने के लिए नदी पर गए।

ii. बकरी ने मेमने को सीख दी ''साहस से काम लो तो संकट टल जाता है।''

iii. नदी ने भेड़िये के आने की सूचना दी।

iv. बकरी और मेमने ने भेड़िये को अपनी बातों में उलझाकर कहा कि तुम्हारा मुँह बहुत गंदा है। उनकी बातों में आकर भेड़िया मुँह धोने नदी पर गया। बकरी ने भेड़िये को अपनी पूरी ताकत से नदी में धक्का दे दिया। और बकरी और मेमना दौड़कर जंगल में आ गए।

3. फैसला करो–

उत्तर– i. भेड़िया जैसा शैतान था, वैसे ही मेमना और बकरी। गलत

ii. भेड़िये ने बकरी और मेमने को खा लिया। गलत

iii. बकरी ने भेड़िये को नदी में धक्का दिया। सही

iv. नदी पर जाकर मेमने और बकरी ने मुँह धोया। गलत

4. मिलान करो–

उत्तर–

• बकरी	• घमंडी
• भेड़िया	• मेमना
• नदी	• भिनभिनाना
• मक्खियाँ	• पानी

5. पहले और बाद में क्या हुआ–

उत्तर– i. **पहले** टब्बक-टब्बक, टब्बक-टब्बक, बातों में **बाद में** बकरी ने मेमने को बताया।

ii. **पहले** मेमने को भी प्यास लगी। **बाद में** बकरी बोली— 'चलो, पानी पी आएँ।'

iii. **पहले**— नदी मुस्कुराई बोली— **बाद में**— 'मैं जानती हूँ कि भेड़ियाँ गंदा है।'

iv. **पहले** अच्छा हुआ **बाद में**— जो तुम दोनों यहाँ मिल गए।

भाषा-बोध

1. एक अनेक–

उत्तर– मेमना **मेमने** नदी **नदियाँ** मेहमान **मेहमानों**

बकरी **बकरियाँ** भेड़िया **भेड़िये** राक्षस **राक्षसों**

2. विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. राक्षस **देवता** ii. मीठा **खट्टा**

iii. भूखा **तृप्त** iv. गंदा **साफ**

v. डर **निडर** vi. स्वागत **अपमान**

3. पर्यायवाची लिखो–

उत्तर– पानी **जल नीर** रास्ता **पथ मार्ग**

धैर्य **धीरज हिम्मत** संकट **विपत्ति मुसीबत**

स्थान **जगह स्थल** प्रणाम **नमस्कार अभिवादन**

4. सही स्थान पर अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) लगाएँ–

उत्तर– माँ हँसते मंत्री आँख मुँह गाँव

गंदा पसंद संभव जंगल झाँकू अंधेरा

क्रियात्मक-कार्य

1. 'साहस' विषय पर अपने-आप कोई कहानी बनाओ या फिर किसी सत्यकथा पर आधारित कहानी लिखो और उससे संबंधित चित्र भी बनाओ।

उत्तर– नीलिमा एक अच्छी लड़की थी, सबकी बात मानती तथा अपने से बड़ों का बहुत सम्मान करती, छोटों से प्यार से बोलती थी लेकिन उसमें एक कमी थी वह अँधेरे से बहुत डरती थी। उसकी इस आदत से उसकी माँ तथा उसके पिता बहुत परेशान थे और वे उसके डर को निकालना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कई बार नीलिमा को समझाया भी था लेकिन उस पर उन बातों का जरा भी असर नहीं हुआ था। एक बार की बात है नीलिमा के पिता अचानक बीमार पड़ गए। शाम हो चली थी, रात का धुँधकला फैल रहा था और नीलिमा के पिता को तुरंत ही डॉक्टर की आवश्यकता थी। अब नीलिमा के सामने मुसीबत थी कि वह डॉक्टर को कैसे बुलाकर लाए। माँ पिताजी को छोड़कर जा नही सकती थी। हिम्मत करके नीलिमा घर से बाहर निकली और मन ही मन भगवान को याद करती हुई डॉक्टर अंकल को ले आई। सही समय पर इलाज हो जाने से पिता की जान बच गई और नीलिमा का डर भी हमेशा के लिए दूर हो गया।

2. उत्तर– स्वयं कीजिए।

3. उत्तर– स्वयं कीजिए।

आओ अभ्यास करें

कविता से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. हमें पतंग उड़ाना अच्छा लगता है।
ii. हम पतंग अपने दोस्तों के साथ उड़ाते हैं।
iii. हमें पतंग मैदान में उड़ानी चाहिए।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. पतंगों के उड़ाने का मौसम बसंत ऋतु के नाम से जाना जाता है।
ii. इंद्रधनुष वर्षा के बाद निकलता है।
iii. पतंगें डोर पर बैठकर चलती हैं।
iv. पतंगों से हम पेंच लड़ाते हैं।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) iv. डोर (ख) i. मस्ती (ग) iii. आसमान

4. निम्नलिखित पंक्तियाँ पूरी करो–

उत्तर– मौसम **आज पतंगों का है**
नभ में राज पतंगों का है
इंद्रधनुष **के रंगों का है**
मौसम नई उमंगों का है
निकले **सब ले डोर पतंगें**
सुंदर सी चौकोर पतंगें
उड़ा **रहे कर शोर पतंगें**
देखो चारों ओर पतंगें

भाषा-बोध

1. समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– मौसम **ऋतु** शोर **कोलाहल**
टोली **समूह** आसमान **आकाश**

2. वाक्य बनाओ–

उत्तर– नभ — रात के समय **नभ** में तारे चमक रहे थे।
सुंदर — बारहसिंगा बहुत **सुंदर** था।
बस्ती — हिमालय के पास एक **बस्ती** में एक बुढ़िया रहती थी।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं करें।

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. बारहसिंगे को अपनी सुंदरता का घमंड था।

ii. मेढक ने कहा—''वाह, हिरन भाई! तुम तो बड़े सुंदर हो।'' ''तुम्हारा सिर भी बहुत सुंदर है और खूब चौड़ा है।'' ''तुम्हारे सींग भी बहुत मजबूत हैं।'' ''परंतु भाई हिरन! तुम्हारे पैर तुम्हारी सुंदरता के अनूरूप नहीं हैं।''

iii. हिरन शिकारी कुत्तों से बचकर भाग रहा था, क्योंकि वे उसे खाने के लिए उसके पीछे दौड़ रहे थे।

iv. सींगों के झाड़ी में फँस जाने के कारण शिकारी कुत्ते हिरन पर टूट पड़े और उसके सुंदर शरीर को नोचना-खसोटना शुरू कर दिया। अब हिरन को समझ में आ गया कि किसी चीज की सुंदरता उसके कर्म से सिद्ध होती है।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. बारहसिंगा हिरन खूब स्वस्थ और सुंदर था।

ii. मेढक ने कहा—''वाह, हिरन भाई! तुम तो बड़े सुंदर हो।'' ''तुम्हारा सिर भी बहुत सुंदर है और खूब चौड़ा है।'' ''तुम्हारे सींग भी बहुत मजबूत हैं।'' ''परंतु भाई हिरन! तुम्हारे पैर तुम्हारी सुंदरता के अनूरूप नहीं हैं।''

iii. हिरन अपने पैरों को देखकर बहुत दु:खी हुआ।

iv. हिरन को भागते हुए समझ में आ गया कि ''मैं अपने पैरों को लंबे, पतले और भद्दे समझता था, जबकि वही मेरे प्राण बचाना चाहते थे और जिन सींगों को मैं सुंदर और दुर्लभ समझता था, वही मेरी मृत्यु का कारण बने हैं।''

v. इस कहानी से ये शिक्षा मिलती है कि किसी चीज की सुंदरता उसके कर्म से सिद्ध होती है। हमें कभी भी अपनी सुंदरता पर घमंड नहीं करना चाहिए। जो जैसा है, उसे वैसे ही खुश रहना चाहिए।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) ii. मेढक (ख) iii. शिकारी कुत्ते

4. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. उसे अपनी **सुंदरता** पर बहुत घमंड था।

ii. एक दिन वह **झील** पर जाकर पानी पीने लगा।

iii. उन्होंने उसका सुंदर शरीर **नोचना खसोटना** शुरू किया।

iv. मैं अपने पैरों को लंबे **पतले** और **भद्दे** समझता था।

5. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. सही ii. गलत iii. सही

iv. गलत v. गलत।

6. किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. हिरन ने, मेढक से। ii. मेढक ने, हिरन से।
iii. मेढक ने, हिरन से। iv. मेढक ने, हिरन से।

7. बात-बात में–

उत्तर– i. यह बात बारहसिंगा कह रहा है।
ii. ''मैं अपने पैरों को लंबे, पतले और भद्दे समझता था।''

भाषा-बोध

1. विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–

स्वस्थ	**अस्वस्थ**	दुर्भाग्य	**सौभाग्य**
सुंदर	**कुरूप**	बुरी	**अच्छी**
मजबूत	**कमजोर**	भाई	**बहन**

2. दो वाक्यों को मिलाकर एक वाक्य बनाओ–

उत्तर–
- अपनी सुंदरता पर घमंड होने के कारण हिरन मर गया।
- दूसरों पर उँगली उठाने से पहले हमें अपनी गलती देख लेनी चाहिए।
- घमंडी हिरन का घमंड टूट गया।

3. वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर–
i. कुरूपता — हिरन अपने पैरों की **कुरूपता** पर दुखी था।
ii. सींग — बारहसिंगे के **सींग** बहुत सुंदर थे।
iii. झाड़ी — भागते समय हिरन के सींग एक **झाड़ी** में फँस गए।
iv. पश्चाताप — सोहन **पश्चाताप** की अग्नि में जलने लगा।
v. कर्म — **कर्म** से ही मनुष्य की पहचान होती है।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

6 बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछिताय

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर–
i. बकरी का घर जंगल में था और वो अपने छोटे बच्चे के साथ वहाँ रहती थी।
ii. भेड़िया झाड़ियों के पीछे छुपकर बकरी की बातें सुन रहा था।
iii. भेड़िया बहुत चालाक था।
iv. बकरी के बच्चे ने दरवाजे की सिर्री से भेड़िये को देख लिया और दरवाजा नहीं खोला।
v. बकरी के बच्चे ने अपने प्राण भेड़िये से बचाए। उसने भेड़िये की आवाज पहचान ली, और दरवाजे की झिर्री से उसे देख भी लिया इसलिए उसने दरवाजा नहीं खोला।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. बकरी निडर तथा साहसी थी। भेड़िया बकरी के बच्चे को खाने की ताक में लगा रहता था।

ii. बकरी बच्चे को कहकर जाती थी कि ''बेटा, जब तक मैं न आऊ दरवाजा मत खोलना। कोई आए तो पहले उसकी जाँच कर लेना। आने वाला यह कहे कि इस भेड़िये को मौत आ जाए तो दरवाजा खोल देना।''

iii. बकरी के जाने के कुछ देर बाद भेड़िया दरवाजे पर पहुँच गया तथा दरवाजा खटखटा दिया।

iv. बकरी का बच्चा भेड़िये से अपनी होशियारी और बुद्धिमानी के कारण बचा।

v. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कोई भी कार्य करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लेना चाहिए।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (i) बकरी से (ख) (ii) झाड़ियों में

4. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. बकरी के सींग बहुत **नुकीले** थे।

ii. भेड़िये जो मौत आ जाए तो **दरवाजा** खोल देना।

iii. उसकी आवाज सुनकर बच्चे के **कान** खड़े हो गए।

iv. बकरी का बच्चा **होशियार** था।

5. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. सही ii. गलत iii. गलत iv. गलत।

6. बताओ, किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. बकरी ने बच्चे से। ii. बकरी के बच्चे ने भेड़िये से।

iii. भेड़िये ने बकरी के बच्चे से। v. बकरी के बच्चे ने भेड़िये से।

भाषा-बोध

1. इस गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. बच्चा अच्छी तरह से माँ की बात सुन रहा था।

ii. भेड़िया झाड़ियों में छुपकर सुन रहा था।

iii. भेड़िया बकरी के बच्चे को खाना चाहता था।

2. रेखांकित शब्दों का बहुवचन में प्रयोग करें–

उत्तर– जंगल में बकरियाँ रहती थीं।

भेड़िये बकरी से डरते थे।

भेडिया झाड़ियों में छुपा था।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. क्योंकि बीनू ने पिछले साल उसको अप्रैल फूल बनाया था और सबने उसकी हँसी उड़ाई थी।

ii. बहादुरे मिन्नी का नौकर था।

iii. टायफायड हो जाने के कारण रेवा मथुरा नहीं लौट पाई।

iv. अप्रैल फूल असल में मिन्नी का बना।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. मिन्नी ने सबको अप्रैल फूल बनाने के लिए रेवा के जन्मदिन का निमंत्रण भिजवा दिया।

ii. वीनू ने कागज पर एक गधे की तस्वीर बनाकर मिन्नी की ड्रेस के पीछे चिपका दी। और उस पर लिख दिया—''मैं पत्थर हूँ। बच के निकलना।''

iii. मिन्नी ने निमंत्रण पत्र परेश से लिखवाया। इसके लिए उसने उसे डेढ़ रुपये, वाली चॉकलेट दी। उसमें लिखा था, सब बच्चों को रेवा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पहली अप्रैल को चाय का निमंत्रण है। सभी बच्चे जरूर-जरूर आएँ।

iv. मिन्नी ने निमंत्रण पत्र रेवा के घर की महरी से एक रुपया देकर भिजवाया।

v. पिंकी फाउंटेन पेन दे रही थी, वीनू की माँ एक राइटिंग पैड और लिफाफे लाई थी। और तस्वीरों वाले पोस्ट-कार्डों का सेट भी लाई थी, छुन्नू ने एक ग्लोब खरीदा था।

vi. अप्रैल फूल असल में मिन्नी का बना क्योंकि 1 अप्रैल को वास्तव में ही रेवा का जन्मदिन था।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिहन लगाओ–

उत्तर– (क) 1 अप्रैल (ख) (i) 1 अप्रैल

(ग) (iii) 1 रुपया (घ) (iii) पत्थर

4. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. पड़ोस की कोठी में एक **एस० डी० ओ०** साहब बदली होकर आए थे।

ii. वीनू की माँ एक **राइटिंग पैड** और **लिफाफे** लाई थी।

iii. छून्नू ने एक **ग्लोब** खरीदा था।

iv. वीनू ने पिछले साल मुझे **मूर्ख** बनाया था।

5. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. सही ii. गलत iii. सही iv. गलत।

भाषा-बोध

वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. फांउटेन पेन—रेवा के जन्मदिन पर पिंकी ने **फांउटेन पेन** दिया।

ii. चिट्ठी—डाकिया **चिट्ठी** बाँटता है।

iii. निमंत्रण—मुझे गीता के जन्मदिन का **निमंत्रण** प्राप्त हुआ।

iv. 1 अप्रैल—**1 अप्रैल** को रेवा का जन्मदिन था।

v. जन्मदिन—अपने **जन्मदिन** के अवसर पर रेवा ने सभी को दावत दी।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

8 गवैया गधा

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. धोबी के पास एक बूढ़ा सा मरियल सा गधा था।

ii. गधा और गीदड़ भोजन की तलाश में खीरों के एक खेत में पहुँचे।

iii. गधे ने गीदड़ से कहा—''भतीजे देखो, आसमान की तरफ देखो। चाँद कैसा चमक रहा है, अहा! कैसी सुहावनी रात है। मेरा मन तो गाने को कर रहा है।''

iv. इस कहानी से हमने ये सीखा कि बिना विचारे कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. गधा रोज सवेरे मैले कपड़ों की गठरी लेकर घाट जाता और शाम को धुले कपड़ों को लादकर घर आता। एक बार उसकी भेंट एक गीदड़ से हुई।

ii. गधे का दोस्त गीदड़ बना।

iii. गधा और गीदड़ खीरे खाने के लिए रोज रात को खीरे के खेत में जाया करते थे।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) ii. गीदड़ (ख) iii. खीरे

4. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. एक धोबी के पास एक **बूढ़ा सा मरियल** गधा था।

ii. मरियल गधा खूब **मोटा-ताजा** हो गया।

iii. वैसे भी तुम्हारी आवाज भी तो **सुरीली** नहीं है।

iv. गधा भारी पत्थर के साथ किसी तरह **घिसटता** हुआ बाहर आया।

5. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. गलत ii. सही iii. गलत iv. गलत।

6. किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. गधे ने गीदड़ से। ii. गीदड़ ने गधे से।

iii. गधे ने गीदड़ से। iv. गीदड़ ने गधे से।

v. गधे ने गीदड़ से।

भाषा-बोध

1. गद्यांश से प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. गधा खीरों की दावत उड़ाता।

ii. गधा गीदड़ से बोला, ''भतीजे देखो, आसमान की तरफ देखो। चाँद कैसा चमक रहा है।''

iii. चाँद चमक रहा था।

iv. गधे का मन गाना गाने का कर रहा है।

2. मोटे छपे शब्दों के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग करो–

उत्तर– i. धोबी के पास **गधे** थे। ii. गधे के दोस्त **गीदड़** हैं।

iii. गधा और गीदड़ **खीरों** की दावत उड़ाते रहे।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

9 बादल बरसे रे

आओ अभ्यास करें

कविता से

1. बताओ–

उत्तर– i. बादल उमड़-घुमड़ कर आए थे।

ii. चीटियों की फौज अंडे लेकर जा रही थी।

iii. हाँ हमें बारिश अच्छी लगती है। बरसात में सब पेड़-पौधे धुल जाते हैं और सब कुछ नया-नया सा लगता है।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. कविता में कपड़े-लत्ते समेटने की बात इसलिए कही गई है क्योंकि बारिश आने पर उनके भीगने का डर होता है।

ii. सूरज की छुट्टी हो गई और पेड़-पौधों की मौज आ गई।

iii. झिलमिलाती बूँदें नालियों और नालों से मिलने चलीं।

iv. मोर नाच रहे हैं और पपीहे गा रहे हैं।

3. पंक्तियाँ पूरी करो–

उत्तर– कल ही **बोली** थी **अम्मा**
लो **चिड़ियाँ** धूल **नहारती**।
और फौज की **फौज चीटियाँ**
अंडे लेकर जाती।

बरसेगा जब **मेह**
समेटो कपड़े-**लत्ते** रे।
बादल बरसे रे।

4. सही शब्द पर घेरा बनाओ–

उत्तर– i. उमड-घुमड़ घिर आए आंचल/**बादल**।
ii. **अंडे**/डंडे लेकर जाती चींटियाँ।
iii. पेड़-पौधों की **हो गई**/खो गई मौज।

भाषा-बोध

1. वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. दस्तक—शीला अपने ही ख्यालों में खोई थी कि तभी किसी ने दरवाजे पर **दस्तक** दी।
ii. फौज—राजा पड़ौसी राजाओं की **फौज** लेकर आया और वजीर को हरा दिया।
iii. बिजली—वर्षा ऋतु में **बिजली** जोर से चमक रही थी।
iv. पपीहा—वर्षा ऋतु में **पपीहे** की आवाज बहुत अच्छी लगती है।

2. पर्यायवाची लिखो–

उत्तर–

बादल	**मेघ,**	**जलध**	आँख	**चक्षु**	**नेत्र**
नदी	**सरिता**	**सलिला**	सिंह	**केसरी**	**शेर**
बिजली	**विद्युत**	**दामिनी**	कपड़े	**वस्त्र**	**पट**

क्रियात्मक-कार्य

1. उत्तर– स्वयं कीजिए।

2. वर्षा ऋतु पर अपने द्वारा कोई पाँच लाइन की कविता बनाकर लिखो, चित्र बनाओ और रंग भरो।

उत्तर– वर्षा रानी, वर्षा रानी,
लगती हो तुम बड़ी सयानी।
मन में जब लेती हो ठान,
करती हो अपनी मनमानी
कभी-कभी बेवक्त आकर तुम
करती हो कितनी नादानी।

1. उत्तर– स्वयं कीजिए।

2. बादल के ऊपर एक कविता अपने-आप लिखो।

उत्तर– उमड़-घुमड़ कर बादल आए,
संग में ढोल नगाड़े लाए।
गरज-गरज बोले सबसे,
और सभी का मन बहलाएँ।
बरखा रानी हैं आने वाली
कह दो सब सतर्क हो जाएँ।

आओ अभ्यास करें

पत्र से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. हाँ हमने अपनी सहेली को पत्र लिखा है।
ii. हाँ हम एक बार गाँव गए थे, गाँव में हमने खेत-खलिहान, बाग, रहट, खेतों में काम करते हुए किसान आदि देखे।
iii. सुमित ने रवि को चिट्ठी लिखी है।
iv. थानेदार अम्मा की तारीफ कर रहा था।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. सुमित ने रवि को चिट्ठी लिखी।
ii. सुमित की अम्मा ने चोर के रसोईघर में घुसने पर मौका देखकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया और पुलिस को फोन करवा दिया।
iii. दूसरी बार रसोई में अम्मा ने बंदर को पाया।
iv. गर्मी की छुट्टी में रवि और सुमित गाँव की सैर किया करते थे।
v. चोर खिड़की की जाली काट-कर घर में घुसा।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) i. रवि को (ख) iii. मोर (ग) iii. आम

4. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. सही ii. सही iii. गलत iv. गलत।

भाषा-बोध

1. वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. चिट्ठी — सुमित ने रवि को **चिट्ठी** लिखी।
ii. चोर — दादी की बुद्धिमानी से **चोर** पकड़ा गया।
iii. सिपाही — **सिपाही** चोर को जेल में ले गए।
iv. पुलिस — **पुलिस** वाले अम्मा की तारीफ कर रहे थे।

2. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– चोर — **तस्कर, चोरहा**
गाँव — **ग्राम, देहात**
समय — **पहर, वक्त**
सिपाही — **सैनिक, योद्धा**
बहन — **भगिनी, सहोदरा**
आँख — **नेत्र, चक्षु।**

क्रियात्मक-कार्य

- **आप अपने दोस्त या सहेली को पत्र लिखते समय उसमें सबसे पहले क्या लिखेंगे?**

उत्तर– i. गली/मौहल्ले का नाम

- **उत्तर–** स्वयं कीजिए।

आओ अभ्यास करें

नाटक से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. महंत जी के दो चेले थे।

ii. गोवर्धनदास पश्चिम की ओर गया था और भिक्षा में मिले पैसों से मिठाई खरीदकर लाया था।

iii. महंत जी ने गोवर्धनदास को यह समझाया कि बच्चा, ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा मिलता है।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. राजा को चौपट इसलिए कहा गया क्योंकि अँधेर नगरी में राजा ने मूर्खतापूर्ण राज्य चला रखा था और अपनी मूर्खता के कारण ही राजा अंत में चौपट हो गया अर्थात् खत्म हो गया।

ii. महंत जी ये सोचकर अँधेर नगरी को छोड़कर चले गए कि ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है जहाँ भाजी और खाजा एक ही दाम में मिलता हो।

iii. महंत जी ने शिष्य को वहाँ रहने से इसलिए मना किया क्योंकि वे समझ गए थे कि जहाँ पर ऐसा मूर्खतापूर्ण शासन किया जा रहा हो वहाँ पर कुछ भी हो सकता है।

iv. गोवर्धनदास को राजा के सिपाही इसलिए पकड़कर ले गए थे क्योंकि वह मोटा था।

v. महंत जी के कान में उपदेश देने पर शिष्य फाँसी पर चढ़ने की जिद करने लगा और महंत जी भी फाँसी पर चढ़ने के लिए कहने लगे। राजा द्वारा पूछे जाने पर महंत जी ने कहा कि महाराज, इस समय ऐसी शुभ घड़ी है कि जो मरेगा, सीधा स्वर्ग जाएगा। ऐसा सुनकर सिपाही, राजा, मंत्री सभी फाँसी पर चढ़ने की जिद करने लगे और शिष्य की जान बच गई।

vi. अंत में राजा को फाँसी हुई।

3. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. देख कुछ **भिक्षा** मिले तो भगवान को भोग लगे।

ii. गुरु जी, यहाँ तो लोग बड़े **मालदार** दिखाई पड़ते हैं।

iii. नगरी का नाम **अँधेर नगरी** था।

iv. दो पैसे पास में रहने से मजे से **पेट** भरता है।

v. **स्वर्ग** जाने में बूढ़ा–जवान क्या?

4. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. गलत ii. सही iii. गलत

iv. सही v. गलत।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित के बारे में दो-दो वाक्य लिखो–

उत्तर– महंत—**महंत** जी बहुत बुद्धिमान थे।

महंत जी की चतुराई के कारण ही गोवर्धनदास के प्राण बचे।

गोवर्धनदास—**गोवर्धनदास** को अँधेर नगरी अच्छी लगी।

गोवर्धनदास को खाने-पीने का शौक था।

राजा—**राजा** बहुत ही मूर्ख था।

अपनी मूर्खता के कारण ही अंत में **राजा** फाँसी पर लटक गया।

2. शुद्ध रूप लिखो–

उत्तर–

भिस्ती	**भिश्ती**	महराज	**महाराज**
कौतवाल	**कोतवाल**	गणेरिया	**गड़रिया**
सवर्ग	**स्वर्ग**	मीठाइ	**मिठाई**

3. नीचे लिखे वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द चुनकर लिखें–

उत्तर–

जिसमें बल न हो	—	**निर्बल**
जिसमें ममता न हो	—	**निर्मम**
जो प्रतिदिन होता हो	—	**दैनिक**
अत्याचार करने वाला	—	**अत्याचारी**
राष्ट्र में व्याप्त	—	**राष्ट्रव्यापी**
जो पास ही हो	—	**समीपवर्ती**

क्रियात्मक-कार्य

1. एकांकी को कहानी बनाकर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखो।

उत्तर– एक बार की बात है एक महात्मा अपने दो शिष्यों नारायणदास और गोवर्धनदास के साथ एक नगर में पहुँचे। वह नगर देखने में बहुत सुंदर था। शिष्य गोवर्धनदास ने महात्मा जी से कहा कि गुरु जी यहाँ के लोग तो बहुत मालदार दिखलाई पड़ते हैं। लगता है यहाँ भिक्षा भी अच्छी मिलेगी। महात्मा जी ने कहा—हाँ बच्चा पर लोभ मत करना। गोवर्धनदास नगर में घूमते-घूमते बनिये की दुकान पर पहुँचा और बनिये से आटे का भाव पूछा, बनिये ने कहा टके सेर। और चावल और चीनी? टके सेर। बनिये ने कहा। और घी? वह भी टके सेर। उसके बाद गोवर्धनदास ने भाजी और मिठाई के दाम भी पता किए तो सबका दाम टके सेर ही था। गोवर्धनदास बड़ा खुश हुआ। और आगे पता करने पर उसे पता चला कि उस नगर का नाम 'अँधेर नगरी' था और वहाँ के राजा का नाम चौपट राजा था। गोवर्धनदास को भिक्षा में सात पैसे मिले उसने उन पैसों से मिठाई खरीदी और उसे लेकर महात्मा जी तथा नारायणदास के पास पहुँचा। महात्मा जी उस विचित्र नगरी के बारे में सुनकर अपने दोनों शिष्यों से बोले—बच्चा! ऐसी नगरी में रुकना उचित नहीं है जहाँ पर टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता हो।

गोवर्धनदास ने कहा गुरुजी इससे अच्छा देश कौन सा होगा जहाँ इतने सस्ते में पेटभर जाता हो, मैं तो यहाँ से नहीं जाऊँगा। महात्मा जी के समझाने पर भी जब शिष्य नहीं

माना तब महात्मा जी ने कहा कि मैं तो यहाँ एक क्षण भी नहीं रुकूँगा तुम बहुत पछताओगे। पर फिर भी कभी विपत्ति आए तो याद कर लेना। इतना कहकर महात्मा जी दूसरे शिष्य नारायणदास के साथ वहाँ से चले गए।

एक बार अँधेर नगरी में चौपट राजा के पास एक फरियादी फरियाद लेकर पहुँचता है। राजा के पूछने पर उसने कहा महाराज! कल्लू बनिये की दीवार गिर पड़ी, और मेरी बकरी उसके नीचे दबकर मर गई। न्याय हो महाराज! राजा ने कल्लू बनिये को पकड़वा लिया। बनिया बोला—महाराज मेरा कोई दोष नहीं। कारीगर ने दीवार ही ऐसी बनाई कि दीवार गिर गई। राजा ने कल्लू को छोड़ दिया और कारीगर को बुलवा लिया। कारीगर से पूछने पर कारीगर ने कहा—महाराज इसमें मेरा दोष नहीं है चूने वाले के खराब चूना बनाने के कारण ही दीवार गिरी। अब चूने वाले को बुलाया गया। पूछे जाने पर चूने वाले ने कहा—महाराज! मेरा कोई दोष नहीं, भिश्ती के ज्यादा पानी डालने से चूना कमजोर हो गया। अब भिश्ती को बुलाकर पूछा गया। भिश्ती बोला महाराज! मेरा कोई कसूर नहीं, कसाई ने मसक इतनी बड़ी बनाई कि उसमें पानी ज्यादा आ गया। राजा ने भिश्ती को भेज दिया और कसाई को बुलाया। कसाई से राजा बोला—क्यों रे कसाई, तूने ऐसी मसक क्यों बनाई? कसाई ने कहा महाराज! गडरिये ने टके सेर में इतनी बड़ी भेड़ मुझे बेची कि उसकी बड़ी मसक बन गई। अब कसाई को भेजकर गडरिये को बुलाया गया। राजा द्वारा पूछे जाने पर उसने कहा महाराज। उधर से कोतवाल साहब की सवारी आ रही थी, इस कारण मैंने छोटी-बड़ी भेड़ का ख्याल नहीं किया, मेरा कोई कसूर नहीं। राजा ने कहा अच्छा! इसको निकालो कोतवाल को पकड़ कर लाओ। कोतवाल को बुलाया गया। कोतवाल से राजा बोला—क्यों रे कोतवाल, तूने ऐसी शानदार सवारी क्यों निकाली कि गडरिये ने घबराकर बड़ी भेड़ बेच दी। कोतवाल ने कहा महाराज! मैंने कोई अपराध नहीं किया मैं तो शहर के इंतजाम के लिए जा रहा था। इतना सुनकर राजा का मंत्री मन में सोचने लगा कि ऐसा न हो कि ये मूर्ख राजा इस बात पर सारे नगर को फूँक दे या फाँसी दे दे। इसलिए उसने तुरन्त ही कोतवाल से कहा, तुमने इतनी धूम से सवारी क्यों निकाली। मंत्री के इतना कहते ही राजा ने आदेश दिया कि इस कोतवाल को तुरंत फाँसी पर चढ़ा दो। कोतवाल को जब फाँसी के लिए ले जाया गया तो फाँसी का फंदा बड़ा निकला जबकि कोतवाल साहब दुबले थे अत: राजा ने हुक्म दिया कि एक मोटे आदमी को पकड़कर फाँसी दे दो क्योंकि बकरी मारने के अपराध में किसी न किसी को तो फाँसी होनी ही है नहीं तो सच्चा न्याय न होगा। अब राजा के सिपाही गोवर्धनदास को पकड़कर ले आए क्योंकि गोवर्धनदास मिठाई खा-खा कर मोटा हो गया था। गोवर्धनदास को गुरु जी की याद आई। गुरु जी के आने पर गोवर्धनदास ने कहा, गुरुजी मुझे बचा लीजिए। गुरुजी ने गोवर्धनदास को ढाँढस बँधाया और सिपाहियों से कहा—मुझे शिष्य को अंतिम उपदेश देना है इसलिए तुम लोग किनारे हो जाओ। मेरा कहना नहीं मानोगे तो तुम्हारा भला न होगा। सिपाहियों के हटने पर गुरुजी ने शिष्य के कान में कुछ कहा। गुरुजी के इतना करते ही शिष्य बोला तब तो गुरुजी, हम अभी फाँसी पर चढ़ेंगे। महात्मा बोले—नहीं बच्चा हम बूढ़े हैं पहले हमें जाने दो। इस

प्रकार दोनों झगड़ने लगे। उनको झगड़ते देख राजा ने महात्मा जी से पूछा—बाबा जी बोलो, आप फाँसी क्यों चढ़ना चाहते हैं। महात्मा जी बोले, महाराज! इस समय ऐसी शुभ घड़ी है कि जो मरेगा, सीधा स्वर्ग जाएगा। इतना सुनते ही मंत्री और कोतवाल कहने लगे तब तो फाँसी पर हम ही चढ़ेंगे। इतना सुनते ही राजा बोला, चुप रहो सब लोग। राजा के जीते जी और कौन स्वर्ग जा सकता है? हमको फाँसी चढ़ाओ, जल्दी-जल्दी। और इस तरह राजा को फाँसी पर चढ़ा दिया जाता है।

2. **उत्तर–** स्वयं कीजिए।

12. भक्त प्रहलाद और भगवान

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. हिरण्यकश्यप एक राजा था तथा उसे अपनी ताकत का बहुत घमंड था।
ii. हिरण्यकश्यप को ब्रह्मा जी ने वरदान दिया।
iii. प्रहलाद ने कहा—दुनिया में सबसे ज्यादा शक्तिशाली भगवान है जो सबको बनाता है।
iv. भगवान खंभे से प्रकट हुए।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. ब्रह्मा जी ने हिरण्यकश्यप को उसकी इच्छानुसार वरदान दिया।
ii. हिरण्यकश्यप ने ब्रह्मा जी से माँगा, ''मुझे न कोई अस्त्र से मार सके न कोई शस्त्र से, न मनुष्य मार सके न जानवर, न धरती पर न आसमान में, न दिन में न रात में, न कोई घर के अंदर मार सके न कोई घर के बाहर।''
iii. प्रहलाद से हिरण्यकश्यप ने पूछा, दुनिया में सबसे ज्यादा शक्तिशाली कौन है? प्रहलाद ने कहा, ''भगवान, जो सबको बनाता है।'' हिरण्यकश्यप ने पूछा, ''भगवान कहाँ रहता है?'' प्रहलाद ने कहा, ''ऐसी कोई जगह नहीं, जहाँ भगवान नहीं है।'' हिरण्यकश्यप ने पूछा, ''तो क्या वह यहाँ भी है?'' प्रहलाद ने कहा, ''हाँ! भगवान दुनिया की हर चीज में हर समय मौजूद रहते हैं।'' हिरण्यकश्यप ने गुस्से में आकर और कोई चीज सामने न पाकर बरामदे के खंभे की ओर इशारा करके पूछा, ''तो क्या तुम्हारा भगवान इस खंभे में भी है।'' प्रहलाद ने कहा, ''हाँ!'' प्रहलाद की ये बात सुनकर हिरण्यकश्यप गुस्सा हो गया।
iv. हिरण्यकश्यप ने गुस्से में आकर अपनी पूरी ताकत से दोनों हाथों से खंभे को धक्का मारा और बोला, ''दिखा, कहाँ हैं इसमें तेरा भगवान?''
v. भगवान नरसिंह ने अपने बड़े-बड़े नाखूनों से हिरण्यकश्यप का वध कर दिया।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) i. ब्रह्मा जी ने (ख) ii. खंभे से

4. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. वह (हिरण्यकश्यप) अपने से ज्यादा **शक्तिशाली** किसी को नहीं समझता था।
ii. हिरण्यकश्यप ने ब्रह्मा जी से **वरदान** माँगा।

iii. प्रहलाद बहुत ही **होनहार** और **बुद्धिमान** था।

iv. भगवान नरसिंह ने अपने बड़े-बड़े **नाखूनों** से हिरण्यकश्यप का वध किया।

5. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. सही ii. सही iii. सही iv. गलत।

6. किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. ब्रह्मा जी ने हिरण्यकश्यप से।

ii. हिरण्यकश्यप ने ब्रह्मा जी से।

iii. हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद से।

iv. हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद से।

7. प्रश्न बनाओ–

उत्तर– i. हिरण्यकश्यप के बेटे का क्या नाम था?

ii. प्रहलाद कैसा था?

iii. भगवान नरसिंह ने हिरण्यकश्यप का वध कैसे किया?

भाषा-बोध

1. शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– तपसया **तपस्या** शक्तिशालि **शक्तिशाली** पर्लाहाद **प्रहलाद**
नरसींह **नरसिंह** तथास्तू **तथास्तु** असत्र **अस्त्र**

2. एक पर्यायवाची शब्द वर्ग से ढूँढकर और दूसरा अपने-आप सोचकर लिखो–

उत्तर–	**शब्द**	**वर्ग से**	**अन्य**
i.	पृथ्वी	**धरती**	**धरा**
ii.	प्रकाश	**रोशनी**	**उजाला**
iii.	सूरज	**भास्कर**	**रवि**
iv.	वर्ष	**साल**	**संवत्सर**
v.	नभ	**आकाश**	**आसमान**
vi.	पथ	**रास्ता**	**मार्ग**

3. विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– वरदान **श्राप** गुरु **शिष्य** मृत्यु **जन्म**
आकाश **धरती** बुद्धिमान **मूर्ख** दिन **रात**

4. वाक्य बनाइए–

उत्तर– तपस्या—हिरण्यकश्यप ने घोर **तपस्या** की।

वरदान—ब्रहमा जी ने खुश होकर हिरण्यकश्यप को **वरदान** दिया।

बुद्धिमान—प्रहलाद बहुत ही होनहार और **बुद्धिमान** था।

दुनिया—**दुनिया** में हर तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ है।

गुरु—प्रहलाद शिक्षा प्राप्त करने **गुरु** के आश्रम में गया।

भगवान—**भगवान** सब जगह व्याप्त है।

क्रियात्मक-कार्य

1. होली क्यों जलाई जाती है? 'होलिका दहन' (प्रहलाद और होलिका) की कहानी उत्तर-पुस्तिका में लिए उसका चित्र भी बनाओ।

उत्तर– बहुत पहले की बात है। हिरण्यकश्यप नाम का एक राजा था। उसे अपनी ताकत पर बड़ा अभिमान था। उसकी तपस्या से खुश होकर ब्रह्मा जी ने उसे वरदान दिया। ब्रह्मा जी के वरदानस्वरूप उसे अस्त्र-शस्त्रों से नहीं मारा जा सकता था। उसे न कोई मनुष्य मार सकता था और न ही कोई जानवर। उसे न धरती पर और न ही आसमान में मारा जा सकता था। न दिन में न रात में, न घर के अंदर न घर के बाहर। हिरण्यकश्यप का एक पुत्र था उसका नाम प्रहलाद था। प्रहलाद बहुत ही बुद्धिमान था। हिरण्यकश्यप की एक बहिन थी होलिका। उसको आग में न जलने का वरदान प्राप्त था। एक बार हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद की परीक्षा लेने के लिए उससे पूछा, दुनिया में सबसे शक्तिशाली कौन है? प्रहलाद ने कहा, दुनिया में सबसे शक्तिशाली भगवान है जो सभी जगह व्याप्त है। हिरण्यकश्यप उसके जवाब से रुष्ट हो गया उसे प्रहलाद पर बहुत क्रोध आया। उसने प्रहलाद को बहुत समझाने का प्रयास किया किन्तु प्रहलाद अपनी बात पर अड़ा रहा। हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को मारने के लिए अपनी बहन होलिका को आग में बैठाकर उसकी गोद में प्रहलाद को बिठा दिया। लेकिन प्रहलाद विष्णुजी का भक्त था अत: उसका बाल भी बाँका न हुआ और होलिका जल कर भस्म हो गई। तभी से प्रत्येक वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन के रूप में यह त्योहार मनाया जाता है।

2. उत्तर– स्वयं करें।

3. उत्तर– स्वयं करें।

सुबह

आओ अभ्यास करें

कविता से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. हाँ हम सुबह जल्दी उठना पसंद करते हैं।
ii. प्रात:कालीन बेला में उठने से प्राणी नया जोश व नई ताजगी पाते हैं।
iii. मेहनत को सबसे अच्छा गुण इसलिए कहा गया है क्योंकि मेहनत करने से मनुष्य को सफलता मिलती है।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. कलियाँ सूरज की किरणों के आने पर खिली हैं।
ii. कलियों के खिलने पर जग सुंदर हो जाता है।
iii. मेहनती लोगों को सुबह भली लगती है।
iv. आलस सबसे बड़ा दुर्गुण है।
v. नहीं हम आलसी नहीं हैं। क्योंकि हम सुबह उठ कर पढ़ते हैं।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिहन लगाओ–

उत्तर– (क) i. सूरज (ख) ii. मीठे (ग) iii. मेहनत (घ) i. ताजगी

4. पंक्तियाँ पूरी करो–

उत्तर– चिड़ियाँ **गाती हैं मिलजुल कर**
बहते हैं उनके मीठे स्वर,
ठंडी–**ठंडी हवा सुहानी**
चलती है जैसे मस्तानी।

खो **देते हैं आलस सारा**
और काम लगता है प्यारा
सुबह **भली लगती उनको**
मेहनत प्यारी लगती जिनको।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित में से तदभव और तत्सम शब्दों के सही जोड़े बनाओ–

उत्तर– तद्भव शब्द **तत्सम शब्द**

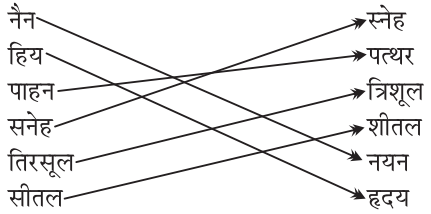

2. विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– अंधकार **प्रकाश** आलस **फुर्ती** मीठा **खट्टा**
सुंदर **बदसूरत** प्रात: **रात्रि** गुण **अवगुण**

3. सही अक्षर पर गोला (◯) बनाओ–

उत्तर– कीरणें **किरणें** किरेंण
खिल खील खिलि
सुहानी सूहानी सुहानि
धरति धर्ति **धरती**
स्वर सवर स्वार

4. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखो–

उत्तर– किरण **किरणें** कहानी **कहानियाँ** कली **कलियाँ**
गुण **गुणों** चिड़िया **चिड़ियाएँ** प्राणी **प्राणियों**

5. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– धरती — **भू, धरा** सुबह — **प्रातः ऊषा**
किरण — **रश्मि, अंशु** सुंदर — **खूबसूरत, मंजु**
सूरज — **दिवाकर, भास्कर** प्राणी — **मनुष्य, नर**

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

14. झोपड़ी

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. जमींदार के महल के पास एक गरीब विधवा रहती थी।

ii. जमींदार ने वकीलों की सहायता से अदालत के द्वारा झोंपड़ी पर कब्जा कर लिया।

iii. विधवा ने गिड़गिड़ाकर कहा—महाराज! मुझे इस झोंपड़ी में से एक टोकरी भर मिट्टी ले जाने दें।

iv. इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने कर्तव्य से कभी हटना नहीं चाहिए।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. जमींदार की इच्छा अपने महल का अहाता विधवा की झोंपड़ी तक बढ़ाने की हुई।

ii. विधवा के बुढ़ापे का एकमात्र सहारा उसकी पोती थी।

iii. जब से विधवा ने सुना कि जमींदार उससे झोंपड़ी लेना चाहता है तभी से वह मृतप्राय हो गई थी।

iv. विधवा ने जमींदार से प्रार्थना की कि महाराज, मुझे इस झोंपड़ी में से एक टोकरी भर मिटटी ले जाने दें।

v. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें धन के मद में चूर होकर निर्बल को नही सताना चाहिए।

vi. कहानी के अंत में विधवा की जीत हुई।

vii. इस कहानी के लेखक 'माधव राव सप्रे' हैं।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) ii. जमींदार (ख) iii. वकील

(ग) ii. प्रार्थना (घ) i. झोंपड़ी में

4. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. किसी **श्रीमान जमींदार** के महल के पास एक गरीब **अनाथ** विधवा की झोंपड़ी थी।

ii. विधवा तो कई **जमाने** से वहीं बसी थी।

iii. उसकी **पोती** इस **वृद्धाकाल** में एकमात्र आधार थी।

iv. श्रीमान के सब प्रयत्न **निष्फल** हुए।

v. **झोंपड़ी** में तो हजारों **टोकरियाँ** मिट्टी पड़ी है।

5. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. गलत ii. गलत iii. सही iv. सही।

6. किसने, किससे कहा? बताओ–

उत्तर– i. विधवा ने, जमींदार से। ii. जमींदार ने, विधवा से।

iii. विधवा ने, जमींदार से। iv. विधवा ने, जमींदार से।

भाषा-बोध

1. तुकांत शब्द लिखो–

उत्तर– पतीले — **लचीले** टोकरी — **छोकरी**

थैली — **मैली** चूल्हा — **दूल्हा**

झोंपड़ी — **खोपड़ी** मिट्टी — **गिट्टी**

दया — **जया** ऊँची — **कूँची**

2. वाक्य प्रयोग–

उत्तर– i. अनाथ — गोलू बचपन में ही **अनाथ** हो गया था।
ii. जमींदार — **जमीदार** के महल के पास विधवा की झोंपड़ी थी।
iii. निष्फल — मेहनत कभी **निष्फल** नहीं होती।
iv. कर्त्तव्य — हमें अपने **कर्त्तव्य** का पालन करना चाहिए।
v. प्रार्थना — बुढ़िया ने जमींदार से **प्रार्थना** की।
vi. टोकरी — **टोकरी** में ताजे आम है।
vii. नाराज — दादा जी शीतल से **नाराज** है।
viii. वचन — राजा दशरथ में कैकेयी को तीन **वचन** दिए।

3. नीचे दिए गए शब्दों को लिंग के अनुसार अलग-अलग करो–

उत्तर– पुल्लिंग **जमींदार वकील महाराज थैला पोता**
स्त्रीलिंग **श्रीमती विधवा झोंपड़ी वकील (स्त्री) पड़ोसन**

4. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर–

जो दूर की सोचे	**दूरदर्शी**
जानने की इच्छा	**जिज्ञासु**
जिसके हृदय में दया हो	**दयालु**
जिसे न्याय प्रिय हो	**न्यायप्रिय**
जिसके हृदय में प्रेम हो	**प्रेमी**

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।

15. अब्बू खाँ की बकरी

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. स्वयं करें।
ii. हमारा देश सन् 1947 में आजाद हुआ और हमें आजादी का यह फायदा हुआ कि हम अंग्रेजों की गुलामी करने से बच गए।
iii. छात्र स्वयं करें।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. अब्बू खाँ हिमालय पहाड़ की अल्मोड़ा नामक बस्ती में रहते थे।
ii. अब्बू खाँ को बकरियाँ पालने का शौक था इसलिए वो बकरी पाला करते थे।
iii. चाँदनी को पहाड़ की हवा में आजादी से उछलना, कूदना, ठोकरें खाना अच्छा लगता था और गाँव की हवा में हर वक्त बँधे रहना बुरा लगता था।

iv. चाँदनी को कोठरी में बंद करने पर वो खिड़की के रास्ते से निकल गई।

v. यदि हमें अच्छा खाने-पीने को मिले, लेकिन बाँधकर रखा जाए तो हमें अच्छा नहीं लगेगा और हम आजाद होने का प्रयास करेंगे, क्योंकि बंधन हमेशा बुरा होता है चाहे कितनी भी सुविधाएँ क्यों न हो।

vi. चाँदनी भेड़िये से ये सोचकर लड़ी कि बिना लड़े हार मानना कायरता है।

3. किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. बूढ़ी चिड़िया ने, अन्य चिड़ियों से

ii. अब्बू खाँ ने , स्वयं से।

iii. बकरी ने, अब्बू खाँ की ओर देखकर स्वयं ही।

4. नीचे दिए गए शब्दों को खाली स्थानों में सही करके लिखो–

उत्तर– i. **अकेलेपन** से घबराकर लालू ने भैंस पाल ली।

ii. आजादी मिल जाने से लालू के चेहरे पर **रौनक** आ गई।

iii. लालू दौड़ते-दौड़ते **बेदम होकर** गिर पड़ा।

iv. लड़ते-लड़ते लालू की **ताकत जवाब। दे गई।**

v. **बस न चलने** पर लालू भाग खड़ा हुआ।

भाषा-बोध

1. विपरीतार्थी वाक्य लिखो–

उत्तर– सन् 1947 में भारत **गुलाम** हुआ।

चाँदनी **खुश** रहने लगी।

चाँदनी दिन पर दिन **मोटी** होने लगी।

अब्बू खाँ सिर **पकड़कर खड़े हो** जाते।

भेड़िया बहुत **कमजोर** है।

2. चाँदनी के रहने का अब्बू खाँ ने क्या इंतजाम किया था? अपने शब्दों में लिखो–

उत्तर– अब्बू खाँ ने खेत के चारों ओर काँटे जमाकर बाड़ बँधवाई। बीच में वे चाँदनी को बाँधते थे, तथा उसकी रस्सी इतनी लंबी रखते थे कि वह खूब इधर उधर घूम सके।

3. कहानी के अंश में आए सर्वनामों को छाँटो। यह भी लिखो कि उनका किसके लिए उपयोग हुआ है?

उत्तर–

उसमें	अल्मोड़ा के लिए	उन्हें	बकरियों के लिए
उनका	अब्बू खाँ के लिए	वह	भेड़िये के लिए
उन्हें	अब्बू खाँ के लिए	उन्हें	बकरियों के लिए
उनकी	अब्बू खाँ के लिए	उसे	चाँदनी के लिए

4. इन वाक्यों में आए हुए संज्ञा शब्दों की जगह सर्वनाम का प्रयोग करते हुए वाक्य दोबारा लिखो–

उत्तर– i. वह उन्हें खा जाता था।

ii. वे गरीब थे।

iii. उन्हें बकरियाँ पालने का शौक था।

iv. उसे अपनी आजादी प्यारी थी।

v. वह चाँदनी की ताक में बैठा था।

5. कहानी में ढूँढकर बताओ कि इसके लिए क्या बताया गया है?

उत्तर– अल्मोड़ा नाम की बस्ती में।
भेड़िया
कोठरी में
सीटी और बिगुल की आवाज से
लाल-लाल जीभ को
खूँ-खूँ की आवाज
अकेलेपन के कारण

6. कुछ शब्द किन्हीं खास आवाजों के लिए ही उपयोग किए जाते हैं, उन्हें लिखकर वाक्यों में प्रयोग करें–

उत्तर– गड़गड़ाहट — रमा को बादलों की गड़गड़ाहट सुनाई दी।
बड़बड़ाहट — बकरी को अब्बू मियाँ की बड़बड़ाहट सुनाई दी।
सरसराहट — मुझे साँप के आने की सरसराहट सुनाई दी।
तड़तडाहट — वर्षा के साथ बिजली की तडतडाहट सुनाई देती है।
कड़कड़ाहट — बिजली की कड़कड़ाहट से पता चला, जोर से बारिश होगी।
गुनगुनाहट — मुझे पास ही गाने की गुनगुनाहट सुनाई दी।

क्रियात्मक-कार्य

1. उत्तर–स्वयं कीजिए।

2. आपने 'पन' से समाप्त होने वाले कई शब्द सुने होंगे। उन्हें अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखो और हर एक से एक वाक्य भी बनाओ।

उत्तर– 1. अकेलापन — शीलू माता-पिता के न होने से अकेलापन महसूस कर रहा था।
2. भोलापन — रामू का भोलापन मेरे मन को भा गया।
3. लड़कपन — सुनीता के व्यवहार में अभी लड़कपन है।
4. सूनापन — सोहन के जाने के बाद मोहन को सूनापन महसूस हुआ।
5. बचपन — बचपन सबसे अच्छा होता है।

16. एक था राजा!

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. दायाँ-बायाँ राजा के दो हाथ थे।
ii. नहीं, हम अपने हाथों के बिना कोई काम नहीं कर सकते हैं।
iii. पड़ौसी राजा की सहायता से राजा ने फतह हासिल की।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. राजा के हाथों के नाम दायाँ और बायाँ था।
ii. राजा से वजीर ने बगावत की।

iii. राजा जब खाना खाने बैठता तो दायाँ हाथ निवाले तोड़-तोड़ के मुँह में डालता था और जब हिचकी आती तो फौरन पानी का गिलास उठाकर उसके मुँह में लगा देता था। इसी तरह जब भी राजा कुछ सोचता बायाँ कागज निकालकर सामने करता और दाँया फौरन दर्ज कर देता था। इस तरह से दोनों राजा की मदद किया करते थे।

iv. राजा फरार होकर घोड़े पर चढ़कर पड़ौसी राज्य में पहुँचे।

v. एक रोज दोनों ने मिलकर दरवाजे की कोने वाली सलाख पकड़ी और राजा से कहा कि तुम भी जोर लगाओ। और टेढ़ी करके वो सलाख बाहर निकाल लो। उस रोज जब पहरेदार दाखिल हुआ तो बायाँ ने झटके से उसकी पगड़ी पैर के नीचे गिरा दी और दायाँ ने सलाख उसके सिर पर दे मारी। जैसे ही पहरेदार ने चीखने के लिए मुँह खोला, बायाँ ने, उसका मुँह बंद किया और दायाँ ने जल्दी से उसकी पगड़ी उसी के मुँह में ठूँस के अंधा कर दिया। दोनों ने मिलके उसी की पगड़ी से उसे गठरी की तरह बाँध दिया। दोनों ने कंधे-कुहनी तक का जोर लगा के राजा के पैर की जंजीर खोल थी।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) i. हाथ (ख) i. वजीर ने (ग) ii. मीनार में

4. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. गलत ii. सही iii. सही
iv. गलत v. सही।

5. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. राजा के दो **हाथ** थे।

ii. राजा छींकने लगता तो **हर बार** ख्वाहमख्वाह नाक **मसल-मसल** के उसे रोकने की कोशिश करता था।

iii. एक बार राजा के **वजीर** ने बगावत कर दी।

iv. मीनार की ऊपर वाली कोठरी में कोई **खिड़की या रोशनदान** भी नहीं था।

भाषा-बोध

1. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– हाथ — **हस्त, कर** राजा — **नृत, भूपति**
तकलीफ — **पीड़ा, दुख** महल — **प्रासाद,**
खिड़की — **झरोखा, वातायन** घोड़ा — **अश्व, तुरंग**

2. विलोम शब्द–

उत्तर– दायाँ **बायाँ** उलटा **सीधा** राजा **रंक**
हाथ **पैर** महल **झोंपड़ी** ऊपर **नीचे**

3. वाक्य में प्रयोग–

उत्तर– राजा—**राजा** शेरसिंह बड़ा दयालु था।
वजीर—राजा के **वजीर** ने बगावत कर दी।
मीनार—कुतुब**मीनार** बहुत ऊँची है।
जंजीर—राजा ने कैदी को **जंजीरों** से जकड़वा दिया।

लपका—सोहन को दिल्ली जाना था, वह जल्दी से दरवाजे की ओर **लपका**।

शामिल—बेरोजगारी से तंग आकर सुशील संतों की मंडली में **शामिल** हो गया।

क्रियात्मक-कार्य

1. दायाँ-बायाँ यानि हाथ; पर एक कविता लिखो।

उत्तर– राजा के पास दो अनमोल रत्न थे
जो दायाँ और बायाँ कहलाते थे।
सेवा करते रोज राजा की
खूब नाम कमाते थे।
राजा को उसके वजीर ने
धोखे से हथकड़ियाँ पहनाई थी
आजाद कराने को राजा को
दोनों ने तरकीब भिड़ाई थी।
पहरेदार को उसी की पगड़ी से
बाधाँ दोनों हाथों ने
आजाद कराकर अपने राजा को
फर्ज निभाया दोनों ने।

2. अपने शरीर के दस अंगों के नाम लिखो और प्रत्येक अंग के कार्य के विषय में एक-एक लाइन लिखो।

उत्तर– **आँखें** — आँखें देखने का कार्य करती हैं।
नाक — नाक सूँघने का कार्य करती है।
दाँत — दाँत चबाने का कार्य करते हैं।
मुँह — मुँह से हम बोलते तथा खाते पीते हैं।
हाथ — हाथों से हम कोई भी कार्य करते हैं।
पैर — पैर चलने का कार्य करते हैं।
वाणी — वाणी के द्‌वारा हम बोलते हैं।
नाखून — नाखून हमारी उँगलियों की कोमल त्वचा की रक्षा करते हैं।
उँगलियाँ — उँगलियाँ के द्‌वारा मनुष्य किसी भी भार को उठा सकते हैं।

17 दोहे

आओ अभ्यास करें

दोहों से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. डाकिया डाक पहुँचाने के काम आता है।

ii. पीपल अपने पास से गुजरने वालों के सिर पर प्यार से हाथ रखता है।

iii. इन दोहों के लेखक—'निदा फाजली जी' हैं।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. एक ही झोले में भरे आँसू और मुस्कान से तात्पर्य है कि डाकिए के थैले में बहुत

सी चिट्ठियाँ होती हैं जिनमें किसी की चिट्ठी में दुखमय संदेश होता है तथा किसी चिट्ठी में खुशी का संदेशा होता है।

ii. बूढ़े पीपल के बारे में कहा गया है कि बूढ़ा पीपल बहुत समय से किनारे पर स्थित है तथा उसकी शाखाएँ इतनी फैल चुकी है कि वहाँ से गुजरने वाले हर इंसान से छू जाती हैं जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे बूढ़ें पीपल ने गुजरने वाले के सर पर अपना हाथ रखा हो।

iii. संसार से तात्पर्य उस दुनिया से है जिसमें हम रहते हैं।

3. पंक्तियाँ पूरी करो–

उत्तर– i. सुना **है अपने गाँव में, रहा न अब वो** नीम;
जिसके आगे गाद थे, सारे बैद हकीम।
बूढ़ा **पीपल घाट का, बतियाए दिन-रात;**
जो भी गुजरे पास से, सरपे रख दे हाथ।

भाषा-बोध

1. वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. जादू—**जादूगर** ने जादू दिखाया।

ii. मुस्कान—**मुस्कान** से सभी का दिल जीता जा सकता है।

iii. पलड़े—तराजू के दो **पलड़े** होते हैं।

iv. संसार—यह **संसार** बहुत बड़ा है।

v. पुस्तक—पुस्तकालय में रामायण की **पुस्तक** थी।

2. तुकांत शब्द लिखो–

उत्तर– (i) गाँव **पाँव** (ii) घाट **बाट** (iii) लकड़ी **पकड़ी**
(iv) हाथ **साथ** (v) भार **कार** (vi) थैले **मैले**

3. शब्दों के अर्थ लिखो–

उत्तर– हकीम **इलाज करने वाला** मुस्कान **हँसी** बाँचिए **पढ़ना**
चीख **जोर से बोलना** घाट **किनारा**

क्रियात्मक-कार्य

1. उत्तर– स्वयं कीजिए।

2. सदाचार और सद्व्यवहार से संबंधित कुछ वाक्य संग्रहीत करो और कक्षा में सुनाओ।

उत्तर– सदाचार से तात्पर्य है सद + आचार अर्थात् अच्छा आचार। सदाचार को सद्व्यवहार भी कहा जा सकता है। सदाचारी व्यक्ति की समाज में प्रशंसा की जाती है। अच्छा व्यवहार सभी को मोह लेता है। सदाचार या सद-आचरण से मतलब है कि जो हमारे सांस्कृतिक मूल्य होते हैं जैसे—सत्य, धर्म, प्रेम, त्याग, भाईचारा इत्यादि को हमें अपने व्यवहार में लाना चाहिए। क्योंकि सदाचारी व्यक्ति को सर्वत्र सम्मान मिलता है दुराचारी को नहीं। इसलिए हमें एक अच्छा सामाजिक प्राणी बनने के लिए सदाचार को अपनाना चाहिए। आज के समय में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सभी जगह लूट-खसोट मची हुई है। हर जगह पर पाप फैला हुआ है। ऐसे समय में सदाचारी व्यक्तियों की बहुत आवश्यकता है।

3. स्वयं करो।

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. गोटू और मोटू सर्कस के जोकर थे।

ii. गोटू हवा में साबुन के बुलबुलों को पकड़ने की कोशिश कर रहा था।

iii. मोटू ने गोटू को सबक सिखाने का निश्चय किया।

iv. क्योंकि सर्कस के मालिक ने कहा कि आज तुम दोनों की वजह से सर्कस का यह करतब बहुत कामयाब रहा है।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. गोटू और मोटू डंबों सर्कस में काम करते थे। गोटू बहुत लंबा और पतला था, जबकि मोटू छोटा व मोटा था।

ii. गोटू ने थोड़ा–सा साबुन वाला पानी जमीन पर उड़ेल दिया था, जैसे ही मोटू बुलबुले को पकड़ने के लिए ऊपर की ओर कूदा, फिसलकर नीचे गिर गया।

iii. मोटू ने गोटू के खाने की प्लेट से दो पूड़िया चुरा ली। अगले दिन जब गोटू चमकीले लाल कपड़ों में शो के लिए तैयार हो रहा था, तभी मोटू ने उसकी कमीज के पीछे पूड़ियों को लटका दिया जिससे उसके पीछे 3-4 कुत्ते पड़ गए।

iv. गोटू ने सर्कस के कर्मचारियों की सहायता से कुत्तों से पीछा छुड़ाया। बुलबुले उड़ाते हुए एक लंबा–सा बुलबुला गोटू की कैप पर जाकर बैठ गया, अब मोटू उछलने के बाद भी उसे नहीं पकड़ सका, क्योंकि उसका कद छोटा था। मोटू ने एक सीढ़ी को गोटू के सामने लगा दिया। जब वह सीढ़ी पर चढ़ रहा था, तभी एक दूसरा पालतू कुत्ता गोटू की कमीज पर लगी पूड़ियों पर झपटा और उसने गोटू को काट लिया। गोटू के दर्द से मोटे अपना संतुलन खो बैठा। गोटू, मोटू और कुत्ता सभी धड़ाम से गिर गए।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) i. लाल (ख) ii. सर्कस में (ग) iii. पूड़ियाँ (घ) iv. कुत्ता

4. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. गलत ii. सही iii. गलत iv. सही।

5. रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. गोटू हवा में साबुन के **बुलबुलों** को पकड़ने की कोशिश कर रहा था।

ii. मोटू दर्द के कारण **जोर-जोर** से चिल्लाने लगा।

iii. गोटू **हडबड़ाता** हुआ शो के लिए चल दिया।

iv. उसने हवा में **बुलबुले** उड़ाने का करतब शुरू किया।

भाषा-बोध

1. विलोम-शब्द लिखो–

उत्तर– i. अच्छे **बुरे** ii. हँसते **रोते**
iii. रात **दिन** iv. शुरू **खत्म**
v. निश्चय **अनिश्चय** vi. लंबा **छोटा**

2. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर–
- गोटू और मोटू अच्छे मित्र थे।
- मोटू दर्द के कारण जोर-जोर से चिल्लाने लगा।
- गोटू ने मोटू के साथ मजाक किया था।
- सर्कस सब देखने जाते हैं।

3. इन शब्दों को जोड़कर एक नया शब्द बनाएँ–

उत्तर– प्रयत्न + पूर्वक **प्रयत्नपूर्वक** अधिक + ता **अधिकता**
जिम्मे + दारी **जिम्मेदारी** विचार + पूर्वक **विचारपूर्वक**
प्रमाण + इत **प्रमाणित** नियम + इत **नियमित**

क्रियात्मक-कार्य

1. क्या आप सर्कस गए हैं? आपने सर्कस में क्या-क्या देखा? और उस सर्कस का क्या नाम था?

उत्तर– हाँ हम सर्कस गए हैं। उस सर्कस का नाम दीपू सर्कस था। हमने वहाँ पर हाथी, घोड़े, शेर, चीता, भालू, तथा जोकर को देखा।

2. उत्तर– स्वयं कीजिए।

3. उत्तर– स्वयं कीजिए।

खिड़की

आओ अभ्यास करें

कहानी से

1. बताओ, क्या पढ़ा–

उत्तर– i. आमिर तेरह साल का था।
ii. आमिर को पढ़ने के लिए अलग से कमरा चाहिए था।
iii. हाँ हमें भी बगीचे में पौधे लगाना पसंद है।
iv. आमिर ने खिड़की बंद करने के लिए बोगनवेलिया की बेल को बाहर निकाल दिया।

2. उत्तर लिखो–

उत्तर– i. आमिर के पिता जी दर्जी का काम करते थे।
ii. आमिर ने खिड़की से आते हुए छम्मों को देखा और छम्मों उसकी दोस्त बनी।
iii. आमिर और छम्मों ने छत पर बोगनवेलिया की बेल उगाई।

iv. जब भी बारिश होती थी तो वे देखते कि औरतें भागकर अपने धुले हुए कपड़े बाहर से उठा लेती थी और पूरा रास्ता पानी से भर जाता था। साइकिल वाले तेजी से साइकिल चलाते थे, या फिर किसी आदमी की छतरी नहीं खुल पाती थी। छोटे बच्चे नंगे घूमते थे। कभी-कभी आमिर छत पर जाकर नाचता और गाता था।

v. बोगनवेलिया की बेल खिड़की के अंदर आ रही थी।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– (क) (iii) बोगनेवेलिया (ख) (iii) बोगनवेलिया

4. सही या गलत लिखो–

उत्तर– i. सही ii. गलत iii. गलत iv. सही।

5. किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. आमिर ने, माँ से। ii. छम्मों ने, आमिर से।

iii. आमिर ने, छम्मों से। iv. छम्मों ने, आमिर से।

v. आमिर ने, छम्मों से।

भाषा-बोध

1. नीचे लिखे शब्दों में ड़ और ढ़ ध्वनियों को समझें। ऐसे कुछ और शब्द भी लिखें–

उत्तर–

छोड़ना	तोड़ना	**जोड़ना**
पड़ना	**लड़ना**	**सड़ना**
दाढ़ी	**गाढ़ी**	**बाढ़ी**
बूढ़े	**मूढ़े**	**गूढ़े**

2. वाक्यों में प्रयोग करें–

उत्तर– कद्दू—आमिर को **कद्दू** पसंद नहीं था।

खिड़की—**खिड़की** से पूरी सड़क दिखाई देती थी।

जादू—छम्मों ने आमिर पर **जादू** कर दिया था।

बोगनवेलिया—**बोगनवेलिया** की बेल खिड़की पर चढ़ गई थी।

क्रियात्मक-कार्य

उत्तर– स्वयं कीजिए।